प्रगति के बढ़ते चरण...

वर्तमान में यहाँ एक विशाल जिनमन्दिर के निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। प्राचीन भारतीय स्थापत्य कला के अनुरूप पंचमायतन शैली में बनने वाला यह अन्य जिन मन्दिर अभी से सबके आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। श्री सम्मेद शिखर में दिगम्बर जैनों का पत्थर निर्मित यह पहला जिनमन्दिर है। इसके साथ ही यात्रियों के ठहरने के लिये मध्यप्रदेश भवन एवं मीरा-तारा भवन के नाम से पाँच मंजिली (लिफ्ट व अन्य सुविधाओं सहित) दो धर्मशालायें बनकर तैयार है।

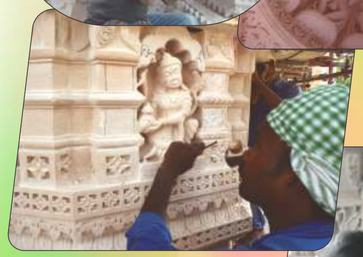

प्रगति के बढ़ते चरण...

कृपया गूगल प्ले-स्टोर से 'pramanik' एप अवश्य डाऊनलोड करें

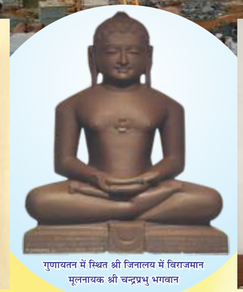

गुणायतन में स्थित श्री जिनालय में विराजमान मूलनायक श्री चन्द्रप्रभ भगवान

गुणायतन परिसर में निर्माणाधीन सहस्त्रकूट जिनालय में प्रतिमा स्थापित कर पुण्य लाभ लें। सम्पर्क निम्नानुसार कार्यालय में करें।

आपका सहयोग : हमारा संबल

ज्ञानमंदिर निर्माण में आपके सहयोग सोपान :-

1. संस्थापक सदस्य
2. निर्माण नायक
3. स्तम्भ
4. सूत्रधार
5. निर्माण सारथी
6. निर्माण मित्र
7. निर्माण निधि
8. प्रतिमा स्थापना

नोट : दानदातार अपनी राशि तीन वर्ष की अवधि में जमा करा सकते हैं। गुणायतन के निर्माण में अपनी राशि नगद कार्यालय में दे सकते हैं। ड्राफ्ट इस नाम से भेजें - 'गुणायतन न्यास' बैंक ऑफ इंडिया शाखा पारसनाथ कोर बैंकिंग खाता सं. 480920110000043 द्वारा भी भेज सकते हैं।

Bank IFSC Code : BKID0004809

सम्पर्क : कार्यालय - 7543076063, 8757226845, लेखा विभाग - 7543018668, 7764900409

ई-मेल : contact@gunayatan.org

80-G छूट के लिये दान राशि का चेक 'गुणायतन' के नाम बना कर रजिस्टर्ड अथवा स्पीड-पोस्ट से गुणायतन कार्यालय में भेजें।

मुद्रक : विकास ऑफसेट प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, भोपाल, फोन : 0755-2601952, 9425005624

गुणायतन

आत्म-विकास का दिव्य-सदन

श्रीसम्मेद शिखरजी, मधुवन (झारखण्ड)

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

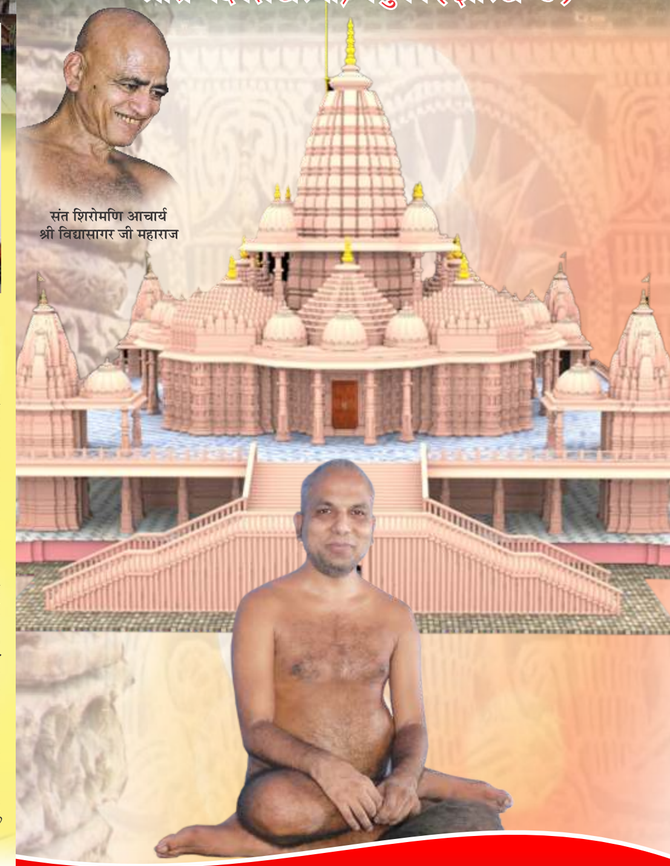

सत्य और संस्कृति का सजा भव्य वितान
कदम मिलाकर चल पड़े धर्म और विज्ञान